Marking Scheme for Social Science (2025-26)

Sample Paper Class 9th

1. A

2. B

3. B

4. D

5. A

6. C

7. D

8. A

9. B

10. C

11. B

12. A

13. तीसरे भाग में

14. 1960 के दशक में

15. प्राथमिक

16. सकल घरेलू उत्पाद

17. पंजाब

18. 2004

19. D

20. A

21. बंगाल के राष्ट्रवादियों ने बंगाल विभाजन का घोर विरोध किया। उन्होंने बंग– भंग को अपना अपमान समझा तथा माना कि उनके साथ बड़ा धोखा हुआ है। राष्ट्रवादियों द्वारा बंगाल विभाजन को पूर्व नियोजित घर्णित कार्य कहा गया। बंगाल विभाजन के

परिणाम स्वरुप बंग– भंग विरोधी आंदोलन आरंभ हुआ।

22. i) राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास करना।

ii) सांप्रदायिकता की भावना को समाप्त करके अनेकता में एकता स्थापित करना ।

iii) स्वदेशी शिक्षा द्वारा राष्ट्रीयता का प्रचार करना।

iv) ग्रामीण क्षेत्र में राष्ट्रवादी जागरूकता पैदा करना।

23. ये सिंचाई के लिए जल प्रदान करती हैं। पीने योग्य जल प्राप्त होता है। नौका परिवहन का अच्छा साधन है ।झीलों में मछलियां पाली जाती हैं। पर्यटन को बढ़ावा मिलता है।

24. तमिलनाडु में आगे बढ़ते हुए मानसून की ऋतु में बहुत कम वर्षा होती है। वहां अधिकतर वर्षा उत्तरी पूर्वी मानसून द्वारा शीतकाल में होती है। ये पवने यों तो शुष्क होती हैं परंतु खाड़ी बंगाल के ऊपर से गुजरते समय ये पर्याप्त आद्रता ग्रहण कर लेती हैं और पूर्वी घाट से टकराकर तमिलनाडु के तट पर काफी वर्षा करती हैं। इस प्रकार तमिलनाडु में शीतकाल में अधिक वर्षा होती है।

25. लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के लिए संविधान का होना अनिवार्य है। संविधान सरकार की शक्ति तथा सत्ता का स्रोत है। संविधान सरकार के विभिन्न अंगों के पारस्परिक संबंध निर्धारित करता है। संविधान सरकार और नागरिकों के संबंधों

को निर्धारित करता है। संविधान सरकार की शक्तियों पर सीमाएं लगाता है।

26. भारतीय संविधान में नागरिकों को 6 मौलिक अधिकार दिए गए हैं जो निम्नलिखित हैं।

समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार, संवैधानिक उपायों का अधिकार।

27. स्वास्थ्य का अर्थ केवल जीवन जीना नहीं है। इसमें केवल व्यक्ति की भौतिक स्वास्थ्य ही शामिल नहीं होता परंतु उसका मानसिक आर्थिक व सामाजिक कल्याण भी शामिल होता है। अच्छा स्वास्थ्य श्रमिकों की कुशलता को बढ़ाता है। अच्छा स्वास्थ्य

श्रमिकों की ज्ञान अर्जन क्षमता को बढ़ाता है।

28. राष्ट्रीय काम के बदले अनाज कार्यक्रम 14 नवंबर 2004 को पूरक श्रम रोजगार के सर्जन को तीव्र करने के उद्देश्य से देश के 150 सर्वाधिक पिछड़े जिलों में शुरू किया गया था। यह कार्यक्रम उन सभी ग्रामीण गरीबों के लिए है जिन्हें वेतन रोजगार की आवश्यकता है और जो एक कुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा केंद्र सरकार के माध्यम से सभी राज्यों को निशुल्क अनाज उपलब्ध करवाया जाता है।

29. 1 मुस्लिम लीग

29.2 हिंदुओं के विरुद्ध 1946 में प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस की शुरुआत मुस्लिम लीग

के द्वारा की गई। मुस्लिम लीग के इस कदम से पूरे देश में हिंदू- मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक दंगे आरंभ हो गए।

29.3 कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय आंदोलनों से दूरी बना ली। वेवल एवं कैबिनेट योजना को असफल कर दिया।

30. 1 प्रतिवर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या को उस क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

30.2 समतल मैदान, उपजाऊ मिट्टी, पर्याप्त मात्रा में वर्षा का होना

30.3 हालांकि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है परंतु परंतु यहां जनसंख्या घनत्व कम है क्योंकि राजस्थान एक शुष्क क्षेत्र है जिसमें पर्याप्त मात्रा में वर्षा नहीं होती।

31.1 जनमत संग्रह ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी विशेष प्रस्ताव या मुद्दे पर जनता से सीधे राय मांगी जाती है। यह एक प्रकार का प्रत्यक्ष मतदान है जिसमें मतदाता अपने प्रतिनिधियों के बजाय किसी विशिष्ट नीति या कानून पर वोट करते हैं।

31.2 सेना के द्वारा लोकतांत्रिक सरकार को हटाकर अपनी सत्ता स्थापित करना तख्ता पलट कहलाता है।

31.3 अगस्त 2002 में लीगल फ्रेमवर्क ऑर्डर के जरिए पाकिस्तान के संविधान को बदल डाला गया। इस आर्डर के अनुसार राष्ट्रपति ,राष्ट्रीय और प्रांतीय असेंबली को भंग कर सकता है।

32.1 प्राथमिक क्षेत्रक

32.2 पालमपुर में बिजली आने के कारण सिंचाई की पद्धति बदल गई अब किसान कुंओ से रहट द्वारा पानी निकालने की बजाए नलकूपों से ज्यादा प्रभावकारी ढंग से अधिक क्षेत्र में सिंचाई कर सकते थे।

32.3 एक वर्ष में किसी भूमि पर एक से ज्यादा फसल पैदा करने को बहूविध फसल प्रणाली कहते हैं।

33. 19वीं सदी के आरंभ से ही भारत में समाचार पत्र प्रकाशित होने लगे। राजा राममोहन राय द्वारा प्रकाशित बंगदूत, संवाद कौमुदी, प्रारंभिक समाचार पत्र थे बाद में और भी अनेक समाचार पत्र जैसे बंगाली, अमृत बाजार पत्रिका, इंदु प्रकाश, मराठा, केसरी, द हिंदू, कोहिनूर, प्रताप, यंग इंडिया आदि प्रकाशित हुए। 1877 ई० तक भारतीय भाषाओं में छपने वाले समाचार पत्रों की

संख्या 169 तक पहुंच गई थी। इन समाचार पत्रों में अंग्रेजी सरकार की आलोचना प्रकाशित होने लगी तथा साथ ही इन समाचार पत्रों ने लोकतांत्रिक विचारों व स्वतंत्रता की भावना को जनता में लोकप्रिय बनाया। कालांतर में ये आधुनिक भारतीय राष्ट्रीयता का दर्पण व जनता को शिक्षित करने का माध्यम भी बन गए।

34. सदाबहार वन– ये वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहां 200 सेंटीमीटर से अधिक वार्षिक वर्षा होती है तथा शुष्क ऋतु छोटी होती है। ये वन सदा हरित होते हैं क्योंकि इन वनों के सभी वृक्ष एक साथ अपनी पत्तियां नहीं गिराते हैं। इन वनों में मुख्य रूप से रबड़, रोजवुड, महोगनी आदि वृक्ष मिलते हैं।

पर्णपाति वन – ये वन मानसूनी वन होते हैं। ये उन क्षेत्रों में मिलते हैं जहां 100 से 200 सेंटीमीटर के बीच वार्षिक वर्षा होती है। ये वृक्ष ग्रीष्म ऋतु में 6 से 8 सप्ताह के लिए अपनी पत्तियां गिरा देते हैं। इन वनों के मुख्य वृक्ष सागौन ,साल, चंदन, शीशम आदि हैं।

35. भारत में चुनावों में धन का बहुत अधिक खर्च होता है जिसे देखकर साधारण व्यक्ति चुनाव लड़ने की कल्पना भी नहीं कर सकता। इससे राजनीतिक भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। भारतीय निर्वाचन प्रणाली का एक गंभीर दोष यह है कि इसकी त्रुटियों का लाभ उठाकर अपराधी भी चुनाव लड़ने लगे हैं और विधान मंडलों के सदस्यता प्राप्त कर रहे हैं। भारत में चुनाव

के दौरान जाति व धर्म के नाम पर भी वोट मांगे जाते हैं, जो की उचित नहीं है।

36. बफर स्टॉक बनाए जाने का मुख्य उद्देश्य कमी वाले राज्यों तथा समाज के निर्धन वर्ग के लोगों को बाजार कीमत से कम कीमत पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना है। भारत सरकार का बफर स्टॉक बनाए जाने का अन्य मुख्य उद्देश्य आपदा या खराब मौसम के कारण होने वाली अनाज की कमी को दूर करना है। बफर स्टॉक बनाए जाने का एक अन्य मुख्य उद्देश्य किसानों को बाजार के उतार -चढ़ाव से बचाना है। इसके अंतर्गत सरकार द्वारा जारी की गई कीमतें किसानों को दी जाती हैं ,जिससे किसान शोषण से बच जाते हैं।

37. भारत छोड़ो आंदोलन को शुरू किए जाने का मुख्य कारण क्रिप्स मिशन की

असफलता व जापान की बढ़ती हुई शक्ति थी। भारतीयों की यह सोच थी कि वे स्वयं जापान का मुकाबला करें। इसलिए वे जापान के आक्रमण से पहले ब्रिटिश शासन से मुक्ति पाना चाहते थे। उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन का प्रस्ताव पास किया। गांधी जी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा दिया। ब्रिटिश सरकार के व्यवहार से तंग आकर कांग्रेस ने 8 अगस्त 1942 को मुंबई अधिवेशन में भारत छोड़ो आंदोलन का प्रस्ताव पास किया। उन्होंने यह मांग की कि अंग्रेजों को तुरंत बिना शर्त भारत छोड़ देना चाहिए। भारत छोड़ो आंदोलन के प्रस्ताव के पास होने के अगले दिन ही कांग्रेस के मुख्य नेताओं जैसे गांधी जी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल आदि को गिरफ्तार कर लिया गया। इस खबर से भारतीयों में रोष

की भावना व्याप्त हो गई। मुंबई, उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, असम, उत्तर पश्चिमी सीमा प्रांत,के लोग ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार हो गए ।गांधी जी ने करो या मरो का नारा दिया। इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन में वकीलों, अध्यापकों, व्यापारियों, डॉक्टरों ,पत्रकारों, मज़दूरों विद्यार्थीयों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विभिन्न नगरों में सभाएं की गई एवं जुलूस निकाले गए। लोगों ने हिंसा का उत्तर हिंसा से दिया। कई सरकारी भवन व पुलिस थानों को जला दिया गया। तार की लाइन काट दी गई। अंग्रेजी सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिए दमन की नीति का सहारा लिया। सरकार ने शांतिपूर्ण जुलूसों पर गोलियां चलाई व लाठी चार्ज किया। एक लाख से अधिक स्त्रियों -पुरुषों को बंदी बना लिया

गया। सरकार की दमन नीति के कारण आंदोलन काफी शिथिल पड़ चुका था। गांधी जी को रिहा कर दिया गया और भारत छोड़ो आंदोलन धीरे-धीरे समाप्त हो गया। यधपि यह आंदोलन भारत से विदेशियों को निकालने तथा देश को स्वतंत्र कराने में असफल रहा तथापि यह आंदोलन जिसे अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, एक महान घटना थी।

अथवा

सरकार ने 1927 ईस्वी में साइमन कमीशन की नियुक्ति कर भारतीय प्रशासन की जांच तथा उसमें आवश्यक सुधार की सिफारिश करने के लिए सर साइमन की अध्यक्षता में एक कमीशन की नियुक्ति की गई। सरकार

का यह कहना था कि सरकार भारतीय प्रशासन में सुधार लाना चाहती है। परंतु इस कमीशन के संबंध में सबसे अनुचित बात यह थी कि कमीशन के सभी सदस्य अंग्रेज थे, जिन्हें भारतीय समस्याओं को थोड़ा सा भी अनुभव नहीं था। ऐसे में भारतीयों ने कमीशन का विरोध करने का निश्चय किया। सभी ने इसका बहिष्कार किया। लाहौर अधिवेशन 1929 ईस्वी में कांग्रेस ने पूर्ण स्वतंत्रता का प्रस्ताव पास करके अपना लक्ष्य पूर्ण स्वतंत्रता रखा। 26 जनवरी 1930 ई को देशभर में पूर्ण स्वतंत्रता दिवस मनाया गया तथा गांधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन की योजना बनानी आरंभ कर दी। 12 मार्च 1930 ई को महात्मा गांधी ने दांडी यात्रा से सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ किया। आरंभ में

गांधी जी के साथ 78 अनुयायियों ने भाग लिया परंतु धीरे-धीरे मार्ग में सैकड़ो लोगों ने उन्हें अपना समर्थन दिया। 24 दिन के पश्चात 6 अप्रैल 1930 ई को महात्मा गांधी दांडी के समुद्र तट पर पहुंचे, वहीं उन्होंने समुद्र के पानी से नमक तैयार करके नमक कानून का उल्लंघन किया। उनका यह कार्य इस बात का प्रतीक था कि सारे देश में सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया जाए।

सविनय अवज्ञा आंदोलन के तहत गांधीजी ने देश के लोगों से आवाह्न किया कि देश के सभी लोग नमक बनाएं। विद्यार्थी सरकारी स्कूलों का बहिष्कार करें ।शराब की दुकानों के समक्ष धरने दिए जाएं ।स्वदेशी का इस्तेमाल करके विदेशी का बहिष्कार किया जाए ।सरकार का किसी प्रकार का सहयोग न किया जाए ।सविनय अवज्ञा आंदोलन

तीव्रता से सारे देश में फैल गया। जनता ने इसके प्रति बहुत उत्साह दिखाया। प्रत्येक संभव स्थान पर नमक बनाया गया तथा कानून का उल्लंघन किया गया।

38. भारत के प्रमुख भू आकृतिक विभाग निम्नलिखित प्रकार से हैं:-

i) हिमालय पर्वत

ii) उत्तरीमैदान

iii) प्रायद्वीपीय पठार

iv) तटीय मैदान

v) द्वीप समूह

हिमालय तथा प्रायद्वीपीय पठार के उच्चावच लक्षणों में अंतर:-

i) बनावट- हिमालय तल छठी शैलों से बने हैं और यह संसार के सबसे युवा पर्वत हैं।

इनकी ऊंचाई भी सबसे अधिक है। इनकी औसत ऊंचाई 5100 मीटर है। इसके विपरीत प्रायद्वीपीय पठार का जन्म आज से 50 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ था। यह आग्नेय तथा कायंतरित शैलों से बने हैं। इस पठार की औसत ऊंचाई 600 से 900 मीटर तक है।

ii) विस्तार- हिमालय पर्वत जम्मू कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश तक फैला हुआ है। इसके पूर्व में पूर्वी श्रेणियां और पश्चिम में पश्चिमी श्रेणियां है। पूर्वी श्रेणियों में खासी, गारों ,जयंतियां तथा पश्चिमी श्रेणियों में हिंदू कुश तथा किरथर श्रेणियां पाई जाती हैं। हिमालय के तीन भाग हैं -महान हिमालय अथवा हिमाद्री, मध्य हिमालय अथवा हिमाचल तथा बाह्य हिमालय अथवा शिवालिक। इसके विपरीत प्रायद्वीपीय पठार के दो भाग हैं-

मालवा का पठार तथा दक्कन का पठार ।यह अरावली पर्वत से लेकर शिलांग के पठार तक तथा दक्षिण से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है इसमें पाई जाने वाली प्रमुख पर्वत श्रेणियां है अरावली पर्वत श्रेणी विंध्याचल पर्वत श्रेणी तथा सतपुड़ा पर्वत श्रेणी।

iii) नदियां– हिमालय से निकलने वाली नदियां बर्फीले पर्वतों से निकलने के कारण सारा साल बहती हैं जबकि प्रायद्वीपीय पठार की नदियां बरसाती नदियां हैं शुष्क ऋतु में इनमें पानी का अभाव हो जाता है ।

iv) पर्वत शिखर– हिमालय में माउंट एवरेस्ट, नंदा देवी जैसे सर्वोच्च शिखर पाए जाते हैं। उनकी तुलना में प्रायद्वीपीय पठार के शिखर बहुत ही कम ऊंचे हैं।

अथवा

भारत के उत्तरी मैदानों को ऐसे समतल मैदान माना जाता है जिनमें उच्चावच की कोई विविधता नहीं है। परंतु यह बात सही नहीं है, इनकी भौगोलिक आकृतियों में भी विविधता पाई जाती है। प्राकृतिक भिन्नता के आधार पर उतरी मैदानों को निम्नलिखित चार भागों में बांटा जाता है:-

भाबर- हिमालय की नदियां पर्वतों से नीचे उतरते समय शिवालिक की ढाल पर 8 से 16 किलोमीटर की चौड़ी पट्टी में गुटिका का निक्षेपण करती हैं। इसे भाबर के नाम से जाना जाता है। सभी सरिताएं इस भाबर पट्टी में समा जाती हैं।

तराई- भाबर पट्टी के दक्षिण में से सरिताएं एवं नदियां पुनः निकल आती हैं

और एक दलदली क्षेत्र का निर्माण करती हैं, जिसे तराई कहा जाता है। बंगाल अथवा भांगर- उत्तरी मैदान का सबसे बड़ा भाग पुराने जलोढ का बना है। यह नदियों के बाढ़ वाले मैदान के ऊपर स्थित है। इस भाग को बांगर के नाम से जाना जाता है। इस क्षेत्र की मृदा में चुनेदार निक्षेप पाए जाते हैं, जिसे स्थानीय भाषा में कंकर कहते हैं।

<u>खादर-</u> बाढ़ वाले मैदानों के नए तथा युवा निक्षेपों को खादर कहा जाता है इनका लगभग हर साल पुनर्निर्माण होता है। इसलिए ये बहुत ही उपजाऊ हैं तथा गहन खेती के लिए आदर्श हैं।

39. संसद की शक्तियां तथा कार्य निम्न प्रकार से हैं:-

i) विधायी शक्तियां

ii) वित्तीय शक्तियां

iii) कार्यपालिका पर नियंत्रण

iv राष्ट्रीय नीतियों को निर्धारित करना

v) न्यायिक शक्तियां

vi) संवैधानिक शक्तियां

vi) सार्वजनिक मामलों पर वाद- विवाद

viii)निर्वाचन संबंधी अधिकार

अथवा

प्रधानमंत्री के कार्य तथा शक्तियां
निम्नलिखित प्रकार से हैं:-

i) मंत्रिमंडल का नेता

ii) मंत्रिमंडल का निर्माण

iii) विभागों का विभाजन

iv) मंत्रिमंडल का सभापति

v) मंत्रियों की पदच्युति

vi) प्रधानमंत्री का समन्वयकारी रूप

vii) राष्ट्रपति का मुख्य सलाहकार

viii) संसद का नेता

ix) लोकसभा को भंग करने का अधिकार

x) नियुक्तियां

xi) संकटकालीन शक्तियां

40. मानचित्र कार्य